UG SEM-3 CC-6

सूती वस्त्र उद्योग

⇒ पहला आधुनिक कारखाना 1818 में कोलकाता के फोर्ट ग्लास्टर

⇒ पहला सफल कारखाना 1854 बम्बई में कवासजी डावर के द्वारा स्थापित

⇒ उत्पादन प्रारंभ हुआ 1856

⇒ 1900 ई० तक 193 मिलें

⇒ 1945 ई. तक 415 मिलें

⇒ वर्तमान समय में U.S.A & चीन के बाद तीसरा बड़ा उत्पादक

⇒ विश्व सूती वस्त्र व्यापार में दूसरा स्थान

⇒ वर्तमान में भारत में सूती वस्त्र की 1946 मिलें हैं।

⇒ प्रमुख उत्पादन कोलकता, मुम्बई & अहमदाबाद में होता है।

⇒ शेष उत्पादन दिल्ली, चेन्नई & मैसूर

⇒ कपड़ों का निर्यात अरब गणराज्य, सूडान, पूर्वी अफ्रीका, आस्ट्रेलिया, इन्डोनेशिया, श्रीलंका सिंगापुर, इथोपिया, अदन, इंगलैंड, म्यानमार मलेशिया इत्यादि देशों को किया जाता है।

सूती वस्त्र उद्योग के स्थानीयकरण के कारण :-

- कच्चा माल की उपलब्धता
- जलवायविक दशाएँ
- यातायात के साधन
- बन्दरगाह की सुविधा
- सस्ते व कुशल मजदूर
- पूँजी
- शक्ति के साधन
- बाजार
- जल की उपलब्धता

सूती वस्त्र उद्योग की समस्याएँ :-

- लम्बे रेशे की कपास का अभाव
- पुरानी व घिसी मशीनें
- अनार्थिक या बीमार इकाइयाँ
- विदेशी प्रतिस्पर्धा
- अपर्याप्त उत्पादन
- शक्ति के साधनों की कमी

Scanned with CamScanner